

प्रेषक,

सुरेन्द्र सिंह रावत,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रभारी मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तराखण्ड जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-२

देहरादून : दिनांक ३० मार्च, 2011

विषय :- जनपद ऊधमसिंहनगर की नगरीय पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/  
सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4475/अप्रै-०३/धनांवटन नगरीय/ 2010-11 दिनांक 25.12.2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में जनपद ऊधमसिंहनगर की नगरीय पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/सुदृढ़ीकरण अन्तर्गत निम्नलिखित पेयजल योजनाओं हेतु टी०ए०सी० वित्त के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹ 44.53 लाख (₹ चौवालिस लाख त्रेपन्न हजार मात्र) की व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

(धनराशि ₹ लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम	अनुमोदित धनराशि
01	02	03
01	काशीपुर नगरीय पेयजल योजना में नये नलकूप का खनन कार्य	₹ 21.05
02	जसपुर नगरीय पेयजल योजनान्तर्गत चमन बाग में बन्द नलकूप के स्थान पर नये नलकूप का पुनः निर्माण कार्य	₹ 23.48
योग :-		₹ 44.53

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण प्रभारी मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके आहरित कर पी०एल०ए० में रखी जायेगी एवं तदोपरान्त वास्तावित आवश्यकतानुसार पी०एल०ए० से आहरित कर व्यय की जायेगी।

3- स्वीकृति की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2011 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

4- कार्य कराने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

5— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।

6— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक का व्यय कदापित न किया जाय। व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों की अनुपालना सुनिश्चित की जाय।

7— एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।

8— कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को कराना सुनिश्चित करें।

9— कार्य कराने से पूर्व उच्च अधिकारियों एवं भू—गर्भवेता से कार्य स्थल का भली भौति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय। निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।

10— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

11— निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

12— मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 एवं निर्माण एजेन्सी के विषय में समय—समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

13— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक “2215—जलापूर्ति तथा सफाई-01—जलपूर्ति—आयोजनागत-101—शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05—नगरीय पेयजल-03—नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन/जीर्णोद्धार/सुदृढ़ीकरण हेतु अनुदान-20—सहायक अनुदान/अंशदान राजसहायता” के नामे डाला जायेगा।

14— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 688/XXVII (2)/2010 दिनांक 29 मार्च, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुरेन्द्र सिंह रावत)

अपर सचिव

पुसं 445(i)/उन्तीस(2)/१०-२(३५प०)/२००९ तददिनांकित

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

5. प्रभारी प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
7. बजट अधिकारी (बजट निदेशालय), उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 12. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव